विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा -षष्ठ दिनांक -09-09-2020

विषय -हिन्दी विषय शिक्षक - पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज शब्द भंडार के बारे में अध्ययन करेंगे।

शब्द-भंडार

एक से अधिक वर्णो के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं।

शब्दों के भेद

भाषा के शब्द-भंडार में निरंतर वृद्धि होती रहती है। ये शब्द विभिन्न स्त्रोतों से भाषा में मिलकर उसे और समृद्ध बनाते हैं। शब्दों की रचना के मुख्य रूप से निम्नलिखित चार आधार होते हैं।

1. उत्पत्ति के आधार पर – (तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी)
2. रचना के आधार पर – (रूढ़, यौगिक, योगरूढ़)
3. प्रयोग के आधार पर-

- विकारी शब्द
- अविकारी शब्द

(i) विकारी शब्द – (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया)
(ii) अविकारी शब्द – (क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक)

4. अर्थ के आधार पर शब्द भेद – शब्द प्रयोग में प्रवीणता प्राप्त करने के लिए उसके विभिन्न रूपों के ज्ञान का होना आवश्यक है। अर्थ के आधार पर विभिन्न शब्द रूप निम्नलिखित हैं
(क) पर्यायवाची शब्द
(ख) विलोम शब्द
(ग) वाक्यांशों के लिए एक शब्द
(घ) समान अर्थ प्रतीत होने वाले शब्द
(ङ) एकार्थक शब्द
(च) अनेकार्थक शब्द
(छ) श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द

पर्यायवाची शब्द – अर्थ की दृष्टि से समान शब्द, पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं। ये शब्द समान अर्थ रखते हुए भी सूक्ष्म सा अंतर प्रकट करते हैं। नीचे कुछ पर्यायवाची शब्दों की सूची दी जा रही है। उन्हें ध्यान से पढ़िए और याद कीजिए।

1. अमृत	पीयूष	सुधा	अमित	सोम
2. असुर	राक्षस	दानव	दैत्य	निशाचर
3. आँख	नयन	लोचन	चक्षु	अक्षि
4. अश्व	घोड़ा	वाजि	हय	तुरंग

5. अहंकार	दंभ	घमंड	दर्प	अभिमान
6. आकाश	गगन	व्योम	नभ	अंबर
7. अग्नि	आग	पावक	दहन	अनल
8. अतिथि	अभ्यागत	आगंतुक	मेहमान	पाहुना

लिखकर याद करें।